हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, गुरुवार 23 अप्रैल 2026

9 ऑपरेशन मुस्कान के तहत 5 बच्चे रेस्क्यू

10 प्रत्येक कॉलेज और विवि में हो मनोचिकित्सकों की भर्ती: जगवीर

First Stair PLAY SCHOOL For Next Generation
FIRST STAIR PLAY SCHOOL
SHANKAR COLONY, CHARKHI DADRI
Recognised by Govt. of Haryana
Why Choose Us?
- Smart & Air-Conditioned Classrooms
- Experienced & Caring Teachers
- Safe, Hygienic & Secure Campus
- School Van Facility Available
- Fun Activity Zone & Toy Train
Charkhi Dadri's Best Play School
With Expert Teachers
ADMISSION OPEN
At First Stair Play School, we believe every child deserves a happy, safe, and creative start to their education.
Call Now 90500-44292

H.D. Public School Birohar
A Co-Education English Medium | C.B.S.E Affiliated Sr. Sec. School
ADMISSION OPEN
Session: 2026-27
Science (Medical, Non-Medical), Commerce, Arts
IIT/NIT
MD/MBBS
NDA Selection
CA Final
Foundation Classes (6th onwards)
NEET | JEE | NTSE | NDA | MNS
M. 8059923555, 8607128682

खबर संक्षेप

खेत में लगे सोलर के तार काट ले गए चोर

भिवानी। बलियाली के खेतों में लगे सोलर प्लेटों के तार चोर काट ले गए। किसान अनूप ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह किसी काम के चलते तीन चार दिनों से खेतों में नहीं जा पा रहा था। बुधवार को जब वह खेतों में गया तो उसके खेतों में लगी सोलर प्लटों के सभी तार कटे हुए मिले। तार कटने की वजह से अब सोलर प्लेटों से टयूबवैल नहीं चलाए जा सकते है। जिससे उसको हजारों रुपये का नुकसान हुआ है।

बहल संस्थान में पढ़ने गई छात्रा नही लौटी

लोहारू। उपमंडल के एक गांव से बहल के कोचिंग संस्थान में पढ़ने गई छात्रा वापस घर नही लौटी। पुलिस को दी शिकायत में युवती के पिता ने बताया कि उसकी बेटी बहल के कोचिंग संस्थान में पढ़ने जाया करती थी। 20 अप्रैल को भी हमेशा की तरह कोचिंग सेंटर गई थी लेकिन को सांय तक घर नहीं लौटी। उसकी आस पड़ोस में भी काफी तलाश की गई लेकिन वह नही मिली। पुलिस ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

नप ने 12 दुकानदारों के काटे चालान

भिवानी। बुधवार को यातायात पुलिस व नगरपरिषद की टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर शहर में दुकानों के बाहर सामान रखने वालों पर शिकंजा कसा। इस दौरान 12 दुकानदारों के चालान काटकर उन पर जुर्माना किया गया। इस दौरान यातायात पुलिस ने वहां से बिना हेलमेट के गुजर रहे दोपहिया वाहन चालकों के चालान काटे। यातायात पुलिस व नगरपरिषद की टीम पुराना बस अड्डे इलाके में पहुंची। टीम ने वहां पर दुकानों के आगे रखे सामान वाले दुकानदारों का चालान करना शुरम कर दिया। टीम ने दो हजार से दस हजार तक के चलाना किए। टीम को देखकर दुकानदारों ने धड़ा धड़ सामान को दुकानों के भीतर रखना शुरू कर दिया। इसी तरह यातायात पुलिस ने यातायात के नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के चालान काटे।

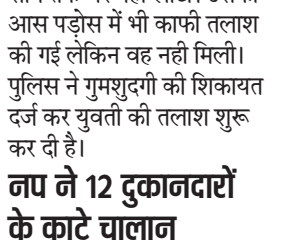

दुष्कर्मी को दस साल कैद की सजा

भिवानी। सुरुचि अटरेजा सिंह, एडिशनल सेशन जज अदालत ने दुष्कर्म के आरोपी को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कारावास तथा 25,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2025 में जिले की महिला ने थाना शहर भिवानी में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। न्यायालय ने आरोपी करण निवासी गांव मेमराज, तहसील जौनपुर, जिला जौनपुर (उत्तर प्रदेश) को 04 पॉक्सो एक्ट के तहत 10 वर्ष का कारावास एवं 20,000 रुपये का जुर्माना तथा धारा 137(1)(बी) के तहत 5 वर्ष कारावास एवं 5,000 रुपए का जुर्माना लगाया है।

दो दिन में दूसरी बार लगी आग, दहशत में बलियाली, कारण अब भी पता नहीं चला

प्रशासन से पहले जागे ग्रामीण दो किले दूर बचा पूरा गांव

चार घंटे तक जलता रहा जंगल पॉलीहाउस व सोलर प्लेटें खाक

- पेड़ों की हरी टहनियों, पानी के टैंकरों व टयूबवेलों के सहारे आग को रोका
- पेड़ों की हरी टहनियों, पानी के टैंकरों व टयूबवेलों के सहारे आग को रोका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

अगर बलियाली गांव के ग्रामीण समय रहते खुद मोर्चा न संभालते, तो एक बड़ी तबाही हो सकती थी। खेतों में भड़की भीषण आग गांव से महज दो किले की दूरी तक पहुंच गई थी। हालात इतने गंभीर हो गए थे कि कुछ देर की देरी पूरे गांव को अपनी चपेट में ले सकती थी। लेकिन युवाओं और किसानों की तत्परता ने बड़े हादसे को टाल दिया। बुधवार सुबह करीब साढ़े दस बजे गांव सांगवान की दिशा में खेतों से धुआं उठता दिखाई दिया। ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे, जहां शुरुआती तौर पर 8 से 10 एकड़ में आग लगी हुई थी।

लोगों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन बढ़ती गर्मी के साथ आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते लपटें तेज हो गईं और आग तेजी से फैलने लगी। स्थिति बिगड़ती देख गांव के युवाओं ने अन्य ग्रामीणों को सूचना दी। इसके बाद लोग ट्रैक्टर, पानी के टैंकर और अन्य संसाधन लेकर मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने हरे पेड़ों की टहनियों से आग को पीटना शुरू किया और पानी के टैंकरों से छिड़काव किया। ट्यूबवेल भी चालू किए गए ताकि आग को आगे बढ़ने से रोका जा सके। खेतों में बनी नालियां भी इस दौरान बड़ी राहत साबित हुईं, जिन्होंने आग को गांव में घुसने से रोक दिया। ग्रामीणों के प्रयास ने एक बड़े हादसे को होने से बचा लिया। यदि आग गांव में प्रवेश कर जाती तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी।

पटवारी और एडीओ मौके पर पहुंचे

प्रशासन की टीम में पटवारी और एडीओ भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। नुकसान का आकलन किया जा रहा है, जिसमें किसानों को लाखों रुपये की हानि बताई जा रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि दो दिनों के भीतर यह आग की दूसरी घटना है। मंगलवार को भी आग लगी थी, जिसमें एक व्यक्ति झुलस गया था और अभी अस्पताल में उपचाराधीन है। लगातार हो रही इन घटनाओं ने ग्रामीणों में भय का माहौल पैदा कर दिया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का कोई स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। बिजली लाइन पहले से बंद होने के कारण शॉर्ट सर्किट की संभावना भी नकार दी गई है।

70 एकड़ में अवशेष जले

करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर ढाई बजे आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक करीब 70 एकड़ में गेहूं के अवशेष पूरी तरह जलकर राख हो चुके थे। इसके अलावा कई खेतों में लगी सोलर प्लेटें और एक पॉली हाउस भी आग की चपेट में आ गए। गांव निवासी रमेश का पॉली हाउस पूरी तरह नष्ट हो गया। आग की तेज गर्मी से पॉली हाउस का तिरपाल जल गया और सब्जियों को भी नुकसान पहुंचा। फायर ब्रिगेड और पुलिस को 112 नंबर पर सूचना दी गई थी, लेकिन जब तक टीम मौके पर पहुंची, तब तक ग्रामीण काफी हद तक आग पर काबू पा चुके थे।

गांव अटेला नया में तूड़े के ढेर में लगी आग

बाढ़ड़ा। गांव अटेला नया में रात्रि के समय हड़कम्प मच गया जब अज्ञात कारणों के चलते तूड़े के ढेर में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा तुड़ा जलकर राख हो गया। घटना में करीब 80 हजार रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। ग्रामीणों ने पीड़ित के नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजा देने की मांग की है।

- ग्रामीणों ने पीड़ित के नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजा देने की मांग की

अटेला नया निवासी पीड़ित हरिकेश ने अटेला पुलिस चौकी को दी शिकायत में बताया कि देर रात्रि उन्हें आग लगने की सूचना उनके भतीजे ने दी। सूचना मिलते ही उन्होंने तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस व दमकल विभाग को सूचित किया। आग की लपटें और धुआं दूर-दूर तक दिखाई देने से आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए और अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी देर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक तूड़ा पूरी तरह जल चुका था और पीड़ित को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा। घटना के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आग लगने के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पीड़ित हरिकेश ने प्रशासन से मांग की है कि उनके नुकसान की भरपाई की जाए। वहीं ग्रामीणों ने भी प्रशासन से ऐसे मामलों में शीघ्र सहायता देने की अपील की है।

स्वस्थ रहने के लिए योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना जरूरी: एडीसी

भिवानी। आयुष विभाग ने बुधवार को एडीसी दीपक बाबू लाल करवा को लघु सचिवालय स्थित उनके कार्यालय में आयुष विभाग से जिला योग कॉर्डिनेटर एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय वैद व निशा खट्टर ने आयुष विभाग के चिकित्सा योग से जुड़ी कॉफी टेबल बुक भेंट की। एडीसी ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना जरूरी है। नियमित रूप से योगासन व प्राणायाम कर ही स्वस्थ रह सकते हैं।

- आयुष विभाग ने एडीसी को चिकित्सा योग से जुड़ी कॉफी टेबल बुक भेंट की

एडीसी करवा ने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन भी प्रदान करता है, जो आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में अत्यंत आवश्यक है। योग भारत की प्राचीन धरोहर है और इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर हम स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जी सकते हैं। योग भारत की प्राचीन धरोहर है और इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर हम स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जी सकते हैं। हरियाणा योग आयोग द्वारा 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में इस कॉफी टेबल बुक को प्रकाशित किया गया है। कॉफी टेबल बुक में विभिन्न गतिविधियों, आसनों तथा कार्यक्रमों को आकर्षक चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। यह पुस्तक न केवल एक दस्तावेज के रूप में कार्य करेगी, बल्कि आमजन को योग अपनाने के लिए प्रेरित भी करेगी।

कुंगड़-सिवाड़ा मुख्य मार्ग पर हादसा लोगों ने पहुंचाया अस्पताल में

पिकअप ने बाइक को मारी टक्कर, दो युवक घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा क्षेत्र के गांव कुंगड़-सिवाड़ा मुख्य मार्ग पर बुधवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार पिकअप ने मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों को टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार घायल युवक गांव सिसर खरबला से गांव पुर की ओर टायल लगाने का काम करने के लिए आ रहे थे। इसी दौरान कुंगड़-सिवाड़ा मुख्य मार्ग पर सामने से आ रही पिकअप ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से सिसर खरबला निवासी 28 वर्षीय रवि व 22 वर्षीय वीरेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और उनके हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आईं। मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही राहगीरों और स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे लोगों ने घायलों को संभाला और अस्पताल भिजवाया। घटना के बाद कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा। नागरिक अस्पताल की डॉक्टर मीना ने बताया कि दोनों घायलों की हालत गंभीर थी। प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें भिवानी रेफर कर दिया गया है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों युवकों के हाथ-पैरों में गहरी चोटें आई हैं और उनका इलाज जारी है। वहीं हादसे के बाद क्षेत्र के लोगों ने मुख्य मार्ग पर बढ़ते सड़क हादसों को लेकर चिंता जताई है।

बवानीखेड़ा। नागरिक अस्पताल में इलाज करते हुए। फोटो: हरिभूमि

ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क पर तेज गति से वाहन चलने और लापरवाही के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि सड़क पर गति नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं तथा पुलिस गश्त बढ़ाई जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके।

रणजी खिलाड़ी अमित वशिष्ठ की स्मृति में रक्तदान शिविर 26 को

भिवानी। क्षेत्र के उभरते खिलाड़ियों के प्रेरणास्रोत रहे दिवंगत रणजी खिलाड़ी अमित वशिष्ठ की पावन स्मृति में 26 अप्रैल को एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह सामाजिक पहल अमित वशिष्ठ फाउंडेशन द्वारा रिवाड़ीखेड़ा स्थित बाबा रामसिंह नाथ गोशाला के प्रांगण में की जा रही है, जिसका उद्देश्य जरूरतमंदों की सेवा और खेल जगत के चमकते सितारे को श्रद्धांजलि अर्पित करना है।

- रिवाड़ीखेड़ा स्थित बाबा रामसिंह नाथ गोशाला के प्रांगण में लगेगा शिविर

शिविर की तैयारियों और उद्देश्यों को लेकर जानकारी देते हुए अमित वशिष्ठ फाउंडेशन के अध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा ने बताया कि इस बार रक्तदान शिविर को लेकर युवाओं और ग्रामीणों में भारी उत्साह है। उन्होंने कहा कि शिविर में रक्त एकत्रित करने के लिए एम्स बाढ़सा से विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम विशेष रूप से पहुंचेगी। शर्मा ने बताया कि फाउंडेशन का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि एकत्रित किया गया रक्त सही माध्यम से उन मरीजों तक पहुंचे, जिन्हें इसकी नितांत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अमित वशिष्ठ न केवल एक बेहतरीन रणजी खिलाड़ी थे।

शिक्षकों ने मौके पर पहुंचकर छात्रा को बचाया

बवानीखेड़ा में बंदरों का आतंक दूसरी की छात्रा पर किया हमला

विद्यालय में पढ़ने वाले अन्य बच्चों और उनके अभिभावकों में भी डर का माहौल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा क्षेत्र में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे आमजन के साथ-साथ स्कूली बच्चे भी दहशत में हैं। ताजा मामला एक राजकीय विद्यालय का है, जहां वार्ड 15 की दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा पर बंदरों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया।

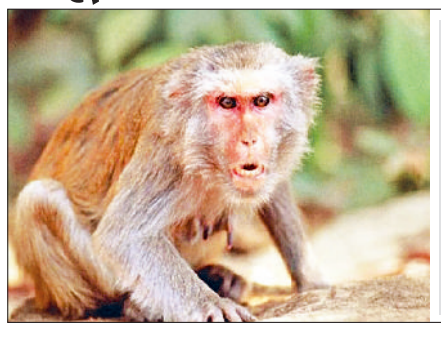

- बच्चे बोले- स्कूल के आसपास अक्सर बंदरों के झुंड घूमते रहते हैं

इस हमले में छात्रा घायल हो गई, जिससे विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, छात्रा अन्य बच्चों के साथ स्कूल परिसर में मौजूद थी। इसी दौरान अचानक बंदरों का झुंड वहां पहुंचा और बच्ची पर झपट पड़ा। बच्ची के शोर मचाने पर शिक्षक मौके पर पहुंचे और किसी तरह उसे बंदरों से बचाया। घायल छात्रा को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया, लेकिन घटना के बाद वह काफी सहमी हुई नजर आई। इस घटना के बाद विद्यालय के अन्य बच्चों और उनके अभिभावकों में भी डर का माहौल है। बच्चों का कहना है कि स्कूल के आसपास अक्सर बंदरों के झुंड घूमते रहते हैं, जिससे उन्हें बाहर खेलने में डर लगता है। कई बार बंदर बच्चों के हाथों से खाने-पीने का सामान भी छीन लेते हैं।

अभियान चलाने की मांग

अभिभावकों ने प्रशासन से मांग की है कि बंदरों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उनका कहना है कि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो बड़ा हादसा हो सकता है। वहीं नपा प्रधान सुंदर अत्री ने बताया कि बंदरों को पकड़ने का अभियान जारी है।

एलसीएलओ कर्मचारी करेंगे सीएम के आवास का घेराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा में एलसीएलओ कर्मचारियों और सरकार के बीच तकरार गहराती जा रही है। पिछले 7 महीनों से कुरुक्षेत्र में धरने पर बैठे इन युवाओं का गुस्सा अब सातवें आसमान पर पहुंच गया है। एलसीएलओ कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान पवन पलवल ने बताया कि एलसीएलओ यूनियन ने आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। उन्होंने बताया कि यूनियन ने दो बड़े फैसले लिए हैं, जिसके तहत एक मई मजदूर दिवस को प्रदेश भर के एलसीएलओ कर्मचारी कुरुक्षेत्र के पीपली में मुख्यमंत्री सैनी के आवास का घेराव करेंगे।

यदि फिर भी समाधान नहीं हुआ तो 4 हजार एलसीएलओ कर्मचारी, उनके परिवार और रिश्तेदार आगामी चुनावों में मतदान नहीं करेंगे। यूनियन हर चुनाव से दूरी बनाएगी। इस मौके पर राज्य उप प्रधान प्रवीन भिवानी ने बताया कि यह विवाद पदनाम बदलने और वेतन ना मिलने से जुड़ा है। क्रीड (सीआरआईडी) के तहत सीपीएलओ पद के लिए परीक्षा ली गई थी, लेकिनन चयन के बाद आधे युवाओं को सीपलएलओ बनाया गया, जबकि आधे का पदनाम बदलकर एलसीएलओ कर दिया गया। उन्होंने कहा कि एलसीएलओ को 24 महीने से न काम मिला है और ना वेतन तथा सीपीएलओ को मात्र 6 हजार मिल रहे हैं। इस मसले को लेकर मुख्यमंत्री से 17 बार, मुख्य सचिव से 5 बार, क्रीड विभाग के एसीएस से 10 बार, पंचायत मंत्री से 4 बार, पंचायत विभाग से 8 बार और सीएम ओएसडी से 22 बार मुलाकात हो चुकी है, लेकिन आश्वासन के आलावा कुछ समाधान नहीं हुआ। भिवानी जिला प्रधान आनंद दीक्षित ने बताया कि हमारा शोषण चरम पर है। विज्ञापन सीपीएलओ का निकाला गया और हमें बिना काम-वेतन के एलसीएलओ बनाकर अधर में छोड़ दिया। जब तक हमें सीपीएलओ के समान पद और वेतन नहीं मिलता, संघर्ष यू ही जारी रहेगा।

- सीपीएलओ का विज्ञापन निकालकर बिना काम व वेतन के एलसीएलओ बनाकर अधर में छोड़ दिया : पवन पलवल

शरीर के भीतर कोई बीमारी पनप रही है, इसकी जांच के लिए अलग-अलग टेस्ट तो किए ही जाते हैं। लेकिन अगर ध्यान दें तो आंखों से भी कई तरह के हेल्थ इंडिकेशंस मिल सकते हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

आंखें देती हैं हेल्थ इंडिकेशंस

एलर्टनेस

डॉ. मधुस्मिता बेहेरा
नेत्र रोग विशेषज्ञ

हमारी आंखें, शारीरिक स्वास्थ्य की खिड़की जैसी होती हैं। इसलिए सेहत पर नजर रखने के लिए समय-समय पर नेत्र रोग विशेषज्ञ को जरूर दिखाते रहें। आंखों के पिछले हिस्से यानी रेटिना से चिकित्सक को आपकी नर्व्स और ब्लड वेसल्स का हाल पता चल जाता है। इनका बारीकी से मुआयना करने पर कई खतरनाक रोगों का शुरुआती चरण में ही पता चल जाता है, जिससे समय पर इलाज शुरू करवा कर जटिलताओं से बचा जा सकता है।

ब्रेन हेल्थ: आंखों की पुतली और ऑप्टिक नर्व सीधे मस्तिष्क से जुड़ी होती हैं, जिससे ट्यूमर या अल्जाइमर जैसी स्थितियों का संकेत मिल सकता है। आंखों के पीछे रेटिना में वसा और कैल्शियम के छोटे जमाव अल्जाइमर रोग का संकेत हो सकते हैं। शोध के अनुसार, दृष्टि में बदलाव डिमेंशिया के निदान से कई साल पहले आ सकते हैं।

ब्रेन ट्यूमर: आंखों की जांच के दौरान ऑप्टिक नर्व (दृष्टि तंत्रिका) में सूजन या दबाव का पता चल सकता है, जो मस्तिष्क में ट्यूमर का संकेत हो सकता है।

हृदय रोग: पलकों के आस-पास वसा जमा होना या रक्त वाहिकाओं की स्थिति हृदय संबंधी जोखिमों को दर्शा सकती है। फ्लोरिडा (अमेरिका) की नोवा साउथ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ ऑप्टोमेट्री आई केयर इंस्टीट्यूट के एसोसिएट प्रोफेसर और नेत्र रोग विशेषज्ञ जोसेफ पिजिमेंटी कहते हैं कि हम आंखों के चेकअप से ब्रेन ट्यूमर और ब्रेस्ट कैंसर से लेकर लंग्स कैंसर तक का पता लगा सकते हैं जिनका प्रभाव आंखों तक पहुंच जाता है। नेत्र रोग विशेषज्ञ मरीज की दृष्टि में आए परिवर्तन की जांच करके ब्रेन ट्यूमर का पता लगा सकते हैं।

डायबिटीज: टाइप 2 डायबिटीज के शुरुआती संकेतों में से एक है रेटीना में मामूली मात्रा में ब्लीडिंग होना, जो डायबिटिक रेटीनोपैथी का लक्षण है। इसका समय पर इलाज शुरू न किया जाए, तो मरीज अपनी दृष्टि पूरी तरह खो सकता है। डायबिटिक रेटिनोपैथी का शुरुआती चरण में पता चल जाए तो जीवनशैली में बदलाव लाकर, पौष्टिक भोजन के माध्यम से और वजन घटाकर दृष्टिहीनता के खतरे को कम किया जा सकता है।

उच्च रक्तचाप: न्यूयॉर्क (अमेरिका) की विल कोर्नेल मेडिकल कॉलेज में ऑफ्थेल्मोलॉजी की प्रोफेसर जेसिका सिराल्सकी कहती हैं, ब्लड वेसल्स को पहुंची क्षति, धमनियों में सिकुड़न और उनका कमजोर होना आदि उच्च रक्तचाप की निशानी हो सकते हैं। अमेरिकन जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक रेटीना की छोटी ब्लड वेसल्स का संकरा होना हार्ट डिजीज का संकेतक हो सकता है।

मल्टीपल स्क्लेरोसिस: अमेरिकन ऑप्टोमेट्रिक एसोसिएशन के अध्यक्ष मिटशेल मुनसोन बताते हैं कि ऑप्टिक नर्व का इनफ्लेमेशन यानी ऑप्टिक न्यूराइटिस, मल्टीपल स्क्लेरोसिस का शुरुआती लक्षण हो सकता है। मल्टीपल स्क्लेरोसिस के 75 फीसदी मरीजों में ऑप्टिक न्यूराइटिस होता है। लेकिन ऑप्टिक न्यूराइटिस का मतलब यह जरूरी नहीं कि मरीज को एमएस डिजीज भी हों, यह किसी अन्य कारण से भी हो सकता है।

रूमेटाइड आर्थराइटिस: विशेषज्ञ बताते हैं कि रूमेटाइड आर्थराइटिस के 25 फीसदी मरीजों में आंखों की समस्या भी पाई जाती है। जिनमें ड्राई आइज की समस्या सबसे आम है। अगर किसी मरीज की आइरिस में साल में दो बार दर्द और इन्फ्लेमेशन की शिकायत हो, तो उसमें रूमेटाइड आर्थराइटिस की संभावना होती है।

कहने का सार है कि आपको अपनी आंखों की रेग्युलर जांच करानी चाहिए। *

प्रस्तुति: अंजू जैन

स्वस्थ, ऊर्जावान और दीर्घायु जीवन की कामना लगभग सभी लोग करते हैं। लेकिन इसके लिए अपनी जीवनशैली में किन बातों को अमल में लाना जरूरी होता है, इस बारे में कम लोग ही जानते हैं। विभिन्न अध्ययनों पर आधारित हम यहां दस ऐसे कारगर सूत्रों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप लंबे समय तक स्वस्थ, ऊर्जावान जीवन जी सकते हैं।

10 स्वस्थ जीवन के लिए अपनाएं सरल-कारगर सूत्र

हेल्थ सजेशन

शिखर चंद जैन

सभी हेल्थ एक्सपर्ट्स का यह मानना है कि स्वस्थ-निरोगी तन और दीर्घायु जीवन रातों-रात प्राप्त नहीं किया जा सकता है। बल्कि यह हमारे रोजमर्रा की जीवनशैली में शामिल छोटी-छोटी अच्छी आदतों का परिणाम होता है। आपकी जीवनशैली और अच्छे स्वास्थ्य के बीच सीधा संबंध होता है। आधुनिक विज्ञान यह साबित कर चुका है कि हमारी दैनिक आदतें हमारे जीन से भी ज्यादा प्रभावशाली हो सकती हैं। वैज्ञानिक शोधों के आधार पर यहां 10 ऐसी हैबिट्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपका अच्छा स्वास्थ्य तय करते हैं। यानी इन सूत्रों पर अमल करके आप स्वस्थ और ऊर्जावान बने रह सकते हैं।

प्लांट-बेस्ड डाइट को अपनाएं

दुनिया में मौजूद 'ब्लू जोन' (जहां रहने वाले लोग सबसे ज्यादा जीते हैं) पर किए गए अध्ययनों से पता चला है कि फल, सब्जियां और साबुत अनाज आधारित भोजन, कैंसर और हृदय रोगों को दूर रखता है। इसके लिए आपके भोजन की थाली का आधा हिस्सा फलों और सब्जियों से भरा होना चाहिए। साबुत अनाज (ओट्स, ब्राउन राइस) और बींस (दालें, मटर, लोबिया) को भी अपने आहार में शामिल करना लाभकारी होता है। पशु उत्पादों (मांस, डेयरी) को अपने आहार में कम शामिल करें, पूरी तरह बंद करना अनिवार्य नहीं है। प्रोसेस्ड फूड के सेवन से बचें और साबुत खाद्य पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन करें।

सर्केडियन रिदम रखें सही

सर्केडियन रिदम यानी शरीर की आंतरिक 24 घंटे एक्टिव रहने वाली घड़ी। यही हमारे सोने-जागने, हार्मोन स्तर, मेटाबॉलिज्म और तापमान को नियंत्रित करके स्वास्थ्य को बनाए रखती है। यह रात में मेलाटोनिन जारी कर अच्छी नींद, दिन में ऊर्जा और शरीर को रिपेयर करने में मदद करती है, जिससे तनाव कम होता है और शुगर/बी.पी. जैसी बीमारियों का जोखिम घटता है। शोध बताते हैं कि शरीर की आंतरिक घड़ी के अनुसार जागना और सोना मेटाबॉलिज्म को ठीक रखता है। समय पर सोने से हृदय रोग और डायबिटीज का खतरा कम होता है।

तनाव प्रबंधन है बहुत जरूरी

अच्छे जीवन के लिए तनाव प्रबंधन भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन, शरीर में कोर्टिसोल के स्तर को कम करके, रक्तचाप को नियंत्रित रखकर और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त रखता है। नियमित व्यायाम, पौष्टिक भोजन, पर्याप्त नींद और योग/ध्यान के माध्यम से तनाव प्रबंधन किया जा सकता है। यह अनिद्रा और थकान को दूर करता है, जिससे हृदय रोग और पुरानी बीमारियों का जोखिम कम होता है। लंबे समय तक तनाव रहने से 'कार्टिसोल' हार्मोन का स्तर बढ़ता है। रिसर्च कहती है कि ध्यान और योग क्रॉनिक इंफ्लेमेशन को कम करते हैं।

अच्छी हो नींद की गुणवत्ता

'नेशनल स्लीप फाउंडेशन' के अनुसार, डेली 7-9 घंटे की गहरी नींद मस्तिष्क से विषाक्त पदार्थों को साफ करती है, जिससे अल्जाइमर जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है। अच्छी नींद की गुणवत्ता शारीरिक मरम्मत, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन के लिए अनिवार्य है। यह इम्यून सिस्टम को मजबूत करती है, तनाव वाले हार्मोन के स्तर को कम करती है, याददाश्त बढ़ाती है और वजन प्रबंधन में मदद करती है। बिना रुकावट वाली गहरी नींद, आपको ऊर्जावान बनाए रखने और पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करने के लिए भी जरूरी है।

सक्रिय जीवनशैली को अपनाएं

अच्छी हेल्थ के लिए सक्रिय जीवनशैली भी बहुत मायने रखती है। 'हार्वर्ड हेल्थ' (हार्वर्ड मेडिकल स्कूल) के अनुसार, रोजाना 30 मिनट की वॉकिंग दीर्घायु होने में सहायक हो सकती है। व्यायाम न केवल वजन घटाता है, बल्कि एंडोर्फिन नामक हार्मोन जारी करता है, जो मानसिक स्वास्थ्य सुधारता है। सक्रिय जीवनशैली, हृदय के स्वास्थ्य, वजन नियंत्रण और मानसिक मजबूती बढ़ाकर शरीर को स्वस्थ रखती है। यह हृदय रोगों, मधुमेह और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को कम करती है। इसके साथ ही मांसपेशियों/ हड्डियों को मजबूत बनाकर जीवन प्रत्याशा में वृद्धि भी करती है।

सामाजिक जुड़ाव है बहुत जरूरी

'हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट' (करीब 80 साल तक चली स्टडी) में पाया गया कि अच्छे रिश्ते हमें खुश और स्वस्थ रखते हैं। अकेलापन, धूम्रपान जितना ही हानिकारक होता है। सामाजिक जुड़ाव मानसिक तनाव, अवसाद और चिंता को कम करके, दीर्घकालिक बीमारियों का जोखिम घटाकर और स्वस्थ व्यवहारों (जैसे व्यायाम, अच्छी नींद) को बढ़ावा देकर स्वास्थ्य में सुधार करता है। परिवार और दोस्तों के साथ मजबूत रिश्ते सकारात्मक भावनाएं, जीवन में उद्देश्य प्रदान करते हैं, जिससे मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

हाइड्रेशन लेवल ना हो कम

अच्छे स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी आवश्यक होता है। ऐसा करना गुर्दे यानी किडनी की कार्यक्षमता और ऊर्जा के स्तर को बनाए रखता है। शोध बताते हैं कि सही मात्रा में हाइड्रेशन, त्वचा और पाचन के लिए भी अनिवार्य है। यह शारीरिक तापमान को नियंत्रित करता है, जोड़ों को चिकनाई प्रदान करता है, पोषक तत्वों का परिवहन करता है, ऊर्जा स्तर बनाए रखता है और पाचन में मदद करता है। रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से किडनी स्वस्थ रहती है और विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते रहते हैं।

गट हेल्थ हो सही

अच्छी हेल्थ और गट हेल्थ के रिलेशन पर किया गया हालिया रिसर्च, 'गट-ब्रेन एक्सिस' पर जोर देता है। प्रो-बायोटिक्स और फाइबर युक्त भोजन हमारे इम्यून सिस्टम को 70-80 प्रतिशत तक नियंत्रित करते हैं। इसलिए गट हेल्थ पर ध्यान दिया जाना जरूरी है।

नशीले पदार्थों से रहें दूर

प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल 'द लैंसेट' की रिपोर्ट के अनुसार, शराब, तंबाकू या किसी भी अन्य नशीले पदार्थ का सेवन किसी भी स्तर पर सुरक्षित नहीं है। यह सीधे तौर पर डीएनए को नुकसान पहुंचाते हैं, जो आगे चलकर गंभीर बीमारियों की वजह बन सकता है। इसलिए स्वस्थ और दीर्घायु जीवन के लिए किसी भी नशीले पदार्थ का किसी भी रूप में सेवन हानिकारक हो सकता है। यहां बताई गई बातों को अपनी जीवनशैली में अपनाकर निश्चित ही आप स्वस्थ और दीर्घायु जीवन जी सकते हैं। *

स्क्रीन टाइम ना हो अनलिमिटेड

अत्यधिक मोबाइल का उपयोग मानसिक थकान और आंखों की समस्याओं की वजह बन सकता है। कई शोध बताते हैं कि आज के समय में डिजिटल डिटॉक्स जरूरी हो गया है। स्क्रीन एडिक्शन के बजाय नेचर के करीब समय बिताने से ब्लड प्रेशर तुरंत कम होता है। स्क्रीन का कम उपयोग दिमाग को शांत करता है, जिससे किसी काम में ध्यान (फोकस) बेहतर होता है। आंखों की सुरक्षा के लिए हर 20 मिनट के बाद 20 सेकेंड के लिए 20 फीट दूर देखने (20-20-20 नियम) से आंखों का सूखापन और तनाव कम होता है। स्क्रीन-मुक्त समय में टहलने, योग करने या हॉबी अपनाने से शारीरिक गतिविधि बढ़ती है और मोटापा कम होता है। भोजन के समय या बेडरूम में फोन का उपयोग न करने से परिवार और दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने का अवसर मिलता है, इससे आपको खुशी मिलती है।

डिजीज

डॉ. अनुराग अग्रवाल
विलनिकल डायरेक्टर
ऑर्थोपेडिक्स, ज्वॉइंट रिप्लेसमेंट
मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स, फरीदाबाद

लगभग एक हजार बच्चों में से एक को हिप ज्वाइंट से जुड़ा डेवलपमेंटल डिसप्लेसिया रोग होता है। इसमें बच्चे की मूवमेंट प्रभावित हो सकती है। समय पर ट्रीटमेंट न कराने पर प्रॉब्लम बढ़ सकती है। इस बारे में डिटेल में जानिए।

डेवलपमेंटल डिसप्लेसिया ऑफ हिप बच्चे के मूवमेंट को करता है प्रभावित

हाल ही में फिल्म एक्टर वरुण धवन की 2 साल की बेटी के एक फिजिकल प्रॉब्लम से उबरने की खबर सामने आई। उनकी बेटी डेवलपमेंटल डिसप्लेसिया ऑफ हिप (डीडीएच) नामक विकार से जूझ रही थी, जो अब उपचार के बाद ठीक है।

क्या है यह रोग: डेवलपमेंटल डिसप्लेसिया ऑफ हिप, बच्चों के हिप सॉकेट या कूल्हे के जोड़ में होने वाली विकृति है। इसे हिप डिसप्लेसिया भी कहा जाता है। जोड़ शरीर का वह हिस्सा होता है, जहां दो हड्डियां आपस में मिलती हैं। हिप का जोड़ जांघ की हड्डी (फीमर) और पेल्विस के बीच का जुड़ाव बिंदु होता है। डीडीएच में हिप का जोड़ नॉर्मल स्वस्थ जोड़े की तरह विकसित नहीं हो पाता और काफी उथला या ढीला हो जाता है। फीमोरल हेड बॉल (फीमर का ऊपरी भाग) पेल्विस में मौजूद हिप सॉकेट (एसीटैबुलम) में सही तरीके से फिट नहीं हो पाता और बाहर निकलने लगता है। जिसकी वजह से मरीज का हिप-लक्सेशन शुरू हो जाता है यानी हिप अपनी जगह से खिसक जाती है। जांघ के अंदरूनी हिस्से-ग्रोइन में सामान्य से ज्यादा गहरे स्किन-फोल्ड या क्रीज बन जाती हैं। पैर के बाहर की तरफ खोलने का मूवमेंट रुक जाता है। जिस पैर में यह दिक्कत होती है, वो पैर थोड़ा छोटा हो सकता है। बच्चे को हिप में अकड़न-सी महसूस होती है, मूवमेंट करने पर हिप के अंदर चटकने या क्लिक की आवाज आती है।

क्या होता है असर: डीडीएच डेवलपमेंटल डिसऑर्डर है, जो बचपन में ही हो जाता है। ध्यान न देने पर धीरे-धीरे समस्या बढ़ती जाती है। बच्चे को क्रॉनिक दर्द रहता है। उसके हिप के मूवमेंट बहुत कम हो जाते हैं। पैर छोटे-बड़े हो जाने पर बच्चे को चलने-फिरने में दिक्कत आती है। नजरअंदाज करने पर बड़े होने पर बच्चे को हिप ऑस्टिओआर्थराइटिस हो सकता है। यानी हिप खराब होने और चाल में स्थाई रूप से लंगड़ापन आने की संभावना रहती है। जबकि सही ढंग से उपचार होने पर बच्चा सामान्य जीवन जी सकता है।

समस्या के कारण: इस समस्या के कई कारण हो सकते हैं।

- आनुवांशिक, जेनेटिक फैक्टर्स की वजह से होता है।
- ब्रीच पाश्जीशन/उल्टे पैदा हुए बच्चे जो जन्म के समय सिर के बजाय हिप्स के माध्यम से पैदा होते हैं।
- प्री-मैच्योर पैदा हुए बच्चे।
- पैरेंट्स की गलत आदतें जैसे बच्चे को उठाते या सुलाते समय बच्चे के पैर सीधे करके हिप्स को चादर, टावल या कंबल से कसकर बांधना।

किन्हें है खतरा: लड़कियों में लड़कों की अपेक्षा 80 प्रतिशत मामले ज्यादा होते हैं। पहली संतान को ज्यादा खतरा रहता है।

न करें नजरअंदाज: पैरेंट्स को इसके कोई भी लक्षण नजर आएं, तो डॉक्टर से कंसल्ट कर उपचार कराना चाहिए। बच्चे का पैरों की लंबाई या जांघों के आस-पास ग्रोइन एरिया के स्किन-फोल्ड असमान दिखाई दें, हिप के आस-पास हाथ लगाने पर कोई आवाज सुनाई दे या हिप के मूवमेंट प्रॉपर न हों या मूवमेंट सामान्य से कुछ कम लगे।

कैसे होता है डायग्नोज: डीडीएच को कंफर्म करने के लिए डॉक्टर बच्चे का हिप एब्डेक्शन टेस्ट या बार्लोस-मैनुअल टेस्ट करते हैं। साथ ही हिप फीमर की स्थिति की जांच के लिए 4-6 महीने के बच्चे का अल्ट्रासाउंड और बड़े बच्चे का एक्स-रे टेस्ट भी कराया जाता है।

क्या है उपचार: इस रोग का उपचार बच्चे की उम्र और समस्या की गंभीरता पर निर्भर करता है। 6 महीने से छोटे बच्चे का हिप हाथ लगाने पर अगर अंदर की तरफ रिड्यूस हो रहा है, तो बच्चे को पेल्विक हार्नेस ब्रेस लगाया जाता है। जो बच्चे के हिप्स को बाहर की तरफ फैलाकर और घुटनों को मोड़कर रखता है। हिप पर प्रेशर पड़ने से धीरे-धीरे रिड्यूस होकर स्टेबल हो जाता है। पेल्विस में एसीटैबुलम सॉकेट सही पोजीशन में आ जाता है, जिसमें फीमर हेड आसानी से फिट हो जाता है। शुरू में ब्रेस पूरे टाइम के लिए लगाया जाता है, कुछ टाइम बाद सिर्फ रात को लगाने के लिए कहा जाता है। अगर बच्चा 6 महीने से बड़ा है और हिप सही पोजीशन में नहीं जा पा रहा हो तो ऐसी स्थिति में हिप-रिडक्शन सर्जरी की जाती है और कुछ समय के लिए हिप स्पाइका कास्ट प्लास्टर लगाया जाता है। इस तरह की सर्जरी से पहले हिप को रिड्यूस करके सही पोजीशन में लाया जाता है। कुछ समय बाद यह फिट हो जाता है।

रखें ध्यान: बच्चे को डीडीएच की समस्या से बचाने के लिए पैरेंट्स को यहां बताई जा रही बातों पर अमल करना जरूरी है।

- पैदा होने पर बच्चे के हिप्स को बहुत ज्यादा कसकर नहीं बांधें, ताकि बच्चा अपने घुटने को किक करने वाले मूवमेंट को आराम से कर सके।
- बच्चे के पैरों को लंबे समय तक जबरदस्ती सीधे करके नहीं रखें। हिप और घुटने का मूवमेंट होते रहना बहुत जरूरी है।
- बच्चे को उठाते समय ध्यान रखें कि बच्चा फ्रॉग और एम पोजीशन में रहे ताकि बच्चे का हिप्स और हिप सॉकेट एसीटैबुलम ठीक पोजीशन में हो।
- बच्चे को सीट पर बिठाते समय ध्यान रखें कि उसके घुटने-हिप्स के ऊपर हों।
- बच्चों के चलने-फिरने और फिजिकल ग्रोथ पर नजर रखें। किसी भी तरह की असामान्यता नजर आने पर यथाशीघ्र मेडिकल सलाह लें। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

अवेयरनेस

डॉ. माजिद अलीम

हालांकि अब देश में मलेरिया के मामले कम ही आते हैं। लेकिन अभी इसका पूरी तरह उन्मूलन नहीं हो सका है। **25 अप्रैल, विश्व मलेरिया दिवस** के मौके पर जानिए, मलेरिया उन्मूलन में क्या समस्याएं हैं और इसमें हम कैसे सहयोग दे सकते हैं।

जब सभी लोग करेंगे प्रयास तभी मिलेगी मलेरिया से मुक्ति

हर साल 25 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व मलेरिया दिवस, केवल एक औपाचारिक तारीख भर नहीं है बल्कि संकल्प का प्रतीक है। बीते एक दशक से हमारे देश ने इस दिशा में काफी प्रगति की है। यह प्रगति आशा जगाती है कि वह दिन अब दूर नहीं है, जब भारत मलेरिया मुक्त देश बनेगा।

कम हो रहे मलेरिया के मामले: विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत में मलेरिया के मामलों और मौतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। साल 2015 के बाद से मलेरिया के मामलों और मलेरिया से होने वाली मृत्यु दर में 70 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट हासिल की है और यह उपलब्धि राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम और राज्यों के संबंधित प्रयास से हासिल हुई है।

बनी हुई है चुनौती: इस उपलब्धि के बावजूद देश के कई राज्यों मसलन ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और पूर्वोत्तर राज्यों में विशेषकर इनके आदिवासी क्षेत्रों में आज भी मलेरिया एक बड़ी चुनौती बना हुआ है, जिसका बड़ा कारण इन इलाकों की भौगोलिक कठिनाइयां, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और जागरूकता का अभाव है। फिर भी धीरे-धीरे हम अपने मलेरिया मुक्त लक्ष्य की तरफ बढ़ रहे हैं। भारत सरकार ने साल 2030 तक मलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। यही वजह है कि पिछले कुछ सालों से सरकार एक साथ कई मोर्चों पर काम कर रही है।

रोग के कारण-लक्षण: मलेरिया एक परजीवी रोग है, जो प्लास्मोडियम नामक परजीवी के कारण होता है और यह संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। मलेरिया के प्रमुख लक्षणों में है- तेज बुखार और ठंड लगना, सिर दर्द और उल्टी, शरीर में दर्द या कमजोरी, गंभीर मामलों में बेहोशी और यदि समय पर इलाज न मिले तो मलेरिया जानलेवा भी हो सकता है। खासकर बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए।

उन्मूलन के प्रयास हैं जारी: साल 2030 तक हम मलेरिया मुक्त हो सकें, इसके लिए सरकार कई स्तरों पर प्रयास कर रही है। जैसे- मच्छरों के प्रजनन स्थलों को, विशेषकर इसके सीजन में, खत्म करने का अभियान चलया जाता है, जिसके लिए रुके हुए पानी में कीटनाशकों का छिड़काव किया जाता है और लोगों को मच्छरदानी के अंदर सोने के लिए आगाह किया जाता है। डिजिटल निगरानी, ड्रोन के माध्यम से कीटनाशकों का छिड़काव और डेटा आधारित रणनीति तैयार की जाती है, जिससे मलेरिया के रोकथाम में स्थाई कमी आए, यह लक्ष्य होता है। स्कूलों, पंचायतों और मीडिया के माध्यम से लोगों को मलेरिया के संबंध में जागरूक किया जाता है कि समय रहते मलेरिया से कैसे बचा जा सके? मलेरिया का उन्मूलन तभी संभव होगा, जब सरकार के साथ-साथ आम जनता भी इस मामले में संवेदनशील होगी और सिर्फ सरकार के भरोसे हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठेगी बल्कि अपने हिस्से की भी जरूरी सावधानियां बरतेगी, तभी मलेरिया जैसी खतरनाक बीमारी से पूरी तरह से मुक्ति संभव है। *

मलेरिया से बचने के उपाय

- घर की खिड़कियों पर जाली लगवाएं।
- जिस मौसम में मच्छरों का प्रकोप होता है, कोशिश करें पूरी बांह के कपड़ें पहनें।
- घर के आसपास पानी न जमा होने दें।
- कूलर, टंकी और गमलों को नियमित रूप से साफ करते रहें।
- मच्छर भगाने वाले क्रीम/कॉयल आदि का इस्तेमाल करें।
- फीवर होने पर तुरंत ब्लड टेस्ट कराएं।
- डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा न लें और घर के बुजुर्गों व बच्चों का विशेष रूप से ध्यान रखें।

सामाजिक बुराइयों के खिलाफ प्रशासन का सख्त रुख

ऑपरेशन मुस्कान के तहत 5 बच्चे रेस्क्यू

सीडब्ल्यूसी के चेयरमैन अधिवक्ता प्रदीप सिंह तंवर बोले- हमारा उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित भविष्य देना

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

बचपन को बचाने और मासूमों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में जिला बाल कल्याण समिति भिवानी ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। बाल श्रम और बाल भिक्षावृत्ति जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए ऑपरेशन मुस्कान के तहत जिले में एक विशेष संयुक्त अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई के दौरान विभिन्न स्थानों से 5 बच्चों को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला गया है। यह सफल अभियान जिला बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी), क्राइम ब्रांच भिवानी और एएचटीयू जिला पुलिस भिवानी द्वारा संयुक्त रूप से पूरे जिले में चलाया गया।

सीडब्ल्यूसी के सदस्य धीरज सैनी ने बताया कि इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में जिला बाल कल्याण समिति चेयरमैन प्रदीप सिंह तंवर के नेतृत्व में सदस्य अधिवक्ता धीरज सैनी, सतेन्द्र तंवर, दिनेश अत्री और नीलम रानी, सपोर्टिंग स्टाफ से स्पॉट पर्सन हेमलता, दीपाली, लक्ष्मी और कपिल, पुलिस एवं क्राइम ब्रांच से एसआई कपिल देव, एलएसआई नीलम, एसपीओ राकेश कुमार, एएसआई रामफल, एएसआई पवन कुमार और एल/एएसआई मजीता शामिल रहे।

भिवानी। बाल कल्याण समिति द्वारा रेस्क्यू किए गए बच्चे। फोटो : हरिभूमि

बच्चों के हाथों में कलम और किताबें हों

सीडब्ल्यूसी के चेयरमैन अधिवक्ता प्रदीप सिंह तंवर ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल बच्चों को रेस्क्यू करना नहीं, बल्कि उन्हें एक सुरक्षित भविष्य देना है। बाल श्रम और भिक्षावृत्ति मासूमों के मौलिक अधिकारों का हनन है। ऑपरेशन मुस्कान के जरिए हम यह संदेश देना चाहते हैं कि बच्चों के हाथों में औजार या कटोरा नहीं, बल्कि कलम और किताबें होनी चाहिए। पुलिस और प्रशासन के साथ मिलकर हमारा यह अभियान भविष्य में भी इसी तरह जारी रहेगा ताकि भिवानी को बाल श्रम मुक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि रेस्क्यू किए गए सभी 5 बच्चों को अब बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश कर उनके पुनर्वास की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। प्रशासन ने आम जनता से भी अपील की है कि यदि कहीं भी बाल श्रम या भिक्षावृत्ति की सूचना मिले, तो तुरंत संबंधित विभाग को सूचित करें ताकि किसी भी बच्चे का बचपन बर्बाद न हो।

पर्यावरण को बचाने के लिए आमजन को जागरूक होना पड़ेगा: एडीसी

■ फसल अवशेष जलाने की बजाय आधुनिक तकनीकों और वैकल्पिक उपायों को अपनाएं किसान : एडीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

एडीसी दीपक बाबू लाल करवा ने लघु सचिवालय परिसर से फसल अवशेष न जलाने को लेकर कृषि विभाग के जागरूक वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता वाहन से जिले के करीब तीन दर्जन गांवों में किसानों व आमजन को फसल अवशेष नहीं जलाने के बारे में जागरूक किया जाएगा। इस दौरान एडीसी ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए आमजन को जागरूक होना पड़ेगा। फसल अवशेष जलाने से पर्यावरण को भारी नुकसान होता है, स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे फसल अवशेष जलाने की बजाय आधुनिक तकनीकों और वैकल्पिक उपायों को अपनाएं, ताकि पर्यावरण संरक्षण में सहयोग मिल सके। एडीसी श्री करवा ने कृषि विभाग के अधिकारियों को कहा कि वे गांवों में किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों व फसल अवशेष जलाने के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दें। गेहूं के फसल अवशेष जलाने पर पांच से 30 हजार रूपए तक लगेगा जुर्माना

कृषि विभाग, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग एवं अग्निशमन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च निकाला गया। उन्होंने गांव निनान, बामला, खरक कलिंगा, बडेसरा, मिताथल, घुसकानी, तिगड़ाना, धनाना, जताई, सुखपुरा, मुढाल, तालू मंढाना व प्रेम नगर में किसानों को गेहूं के फसल अवशेष न जलाने बारे जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि यदि कोई किसान गेहूं के फसल अवशेषों में आग लगाता है, तो उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाएगी तथा चालान किया जाएगा।

भिवानी। वाहन को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आज इन गांवों में ग्रामीणों को किया जाएगा जागरूक

वाहन रवाना करने के दौरान कृषि विभाग के उप निदेशक डा. विनोद फोगाट व सहायक कृषि अभियंता डा. नसीब धनखड़ ने बताया कि जागरूकता वाहन द्वारा 23 अप्रैल को गांव जाटू लोहारी, बवानी खेड़ा, पुर, सिवाड़ा, कुंगड़, सिवाना, बड़सी, मिल्कपुर, पपोसा, जमालपुर, सिपर, बोहल, रोहनात, रतेरा, किरावड़, भुरटाना, बलियाली व सुई में फ्लेग मार्च निकालकर किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन बारे जागरूक किया जाएगा।

टोल महापंचायत के लिए सिवाड़ा के युवाओं को दिया न्योता

भिवानी। बुधवार को हरियाणा जागृति मोर्चा के अध्यक्ष राजेश सिंधू ने पदाधिकारियों ने 26 अप्रैल को होने वाली टोल महापंचायत को लेकर जारी अभियान के तहत गांव सिवाड़ा के युवाओं को पहुंचने का न्योता दिया और कहा कि सिवाड़ा गांव के वाहन चालकों ने गलत ढंग से टोल वसूला जा रहा है। सिवाड़ा ही नहीं आसपास के गांव के वाहन चालकों से टोल वसूलना नाजायज है। चूंकि अभी तक नया बाईपास तैयार भी नहीं हुआ है और अभी से टोल वसूलना आरंभ कर दिया है। साथ ही अन्य टोल प्लाजा पर करीब 15 किलोमीटर दूर तक के वाहन चालकों से टोल नहीं लिया जा रहा है,लेकिन बवानीखेड़ा व आसपास गांव के वाहन चालकों से टोल लिया जा रहा है। हमारे से साथ अन्याय किया जा रहा है। वे आज जनसम्पर्क अभियान के तहत गांव सिवाड़ा में लोगों से बातचीत कर रहे थे। उनके गांव सिवाड़ा पहुंचने पर लोगो ने स्वागत किया।

धरने के 281 दिन पूरे, सरकार के खिलाफ गरजे किसान

लोहारू। कपास फसल के करोड़ों रुपयों के बकाया बीमा क्लेम राशि के भुगतान के लिए बुधवार को किसानों के अनिश्चितकालीन धरने को 281 दिन पूरे हो गए। बुधवार को किसानों ने एक बार फिर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और सरकार को किसान विरोधी सरकार बताया। मेवा सिंह आर्य भूंगला ने कहा कि पिछले दिनों इलाके में हुई बेमौसमी बरसात से किसानों की काफी फसलें बर्बाद हुई हैं तथा सरकार को पीड़ित किसानों को इसका मुआवजा देना चाहिए। यहीं नही मंडियों में खरीद की प्रक्रिया को सुगम बनाया जाएगा। मंदरुप नेहरा ने कहा कि खरीफ फसल 2023 की कपास फसल के बकाया बीमा राशि के भुगतान की मांग को लेकर साढे नौ महीनों से किसान धरने पर बैठे हैं तथा सरकार उनकी सुध नही ले रही है।

जनगणना का कार्य पूरी सूचिता एवं गंभीरता से किया जाए: विजय प्रभा

■ जनगणना-2027 को लेकर प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण अंतिम चरण पूरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहारू

जनगणना 2027 के क्रम में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण का अंतिम चरण बुधवार को खण्ड शिक्षा सभागार में पूरा हुआ। 20 से 22 अप्रैल 2026 तक आयोजित इस प्रशिक्षण के तहत फील्ड ट्रेनर अनिरुद्ध पूनिया, विजय कुमार, रमेश कुमार एवं अजय वशिष्ठ द्वारा तहसील लोहारू ग्रामीण के प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विजय प्रभा, जनगणना चार्ज अधिकारी तहसीलदार प्रियंका एवं तहसील रीडर जगदीश ने प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना का कार्य पूरी सूचिता एवं गंभीरता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि पहली बार जनगणना का कार्य ऑनलाइन हो रहा है, इसलिए जो भी ऑनलाइन फीड करेंगे, वह स्वतः ही पोर्टल पर दिखाई देगा। सभी प्रगणक इस बात की पूर्ण स्पष्टता रखें ताकि डेटा में किसी प्रकार का त्रुटि न हो। जनगणना का आने वाले समय में कई महत्वपूर्ण फैसलों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

लोहारू। लोहारू में जनगणना को लेकर आयोजित प्रशिक्षण शिविर में ट्रेनर को सम्मानित करते हुए बीईओ विजय प्रभा। फोटो : हरिभूमि

गांव-गांव चलाया जा रहा अभियान

भजन मंडलियों ने बताई गांवों में महिला सशक्तिकरण की योजनाएं

भिवानी। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग के दिशा-निर्देशानुसार एवं उपायुक्त साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में गांवों में विशेष प्रचार अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें भजन मंडलियों द्वारा गीतों व भजनों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सुरेन्द्र सिंगल ने बताया कि सरकार द्वारा महिला उत्थान व सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, जिनमें मुख्य रूप से दीन दयाल लाडो लक्ष्मी, मातृत्व योजना, आपकी बेटी-हमारी बेटी, हरियाणा मातृ शक्ति उद्यमिता योजना, हर घर-हर गृहणी योजना, मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना, ड्रोन दीदी, विधवा एवं बेसहारा पेंशन, मुख्यमंत्री महिला श्रमिक सम्मान योजना,मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता योजना, जननी सुरक्षा योजना, जननी शिश सुरक्षा कार्यक्रम, सुरक्षित मातृत्व, किशोरियों के लिए हर नारी-स्वस्थ नारी, टीकाकरण अभियान, महिला एवं किशोर सम्मान योजना आदि शामिल हैं।

जिला परिषद सदन ने तीन करोड़ की लागत के विकास कार्य स्वीकृत किए

■ कुल 28 विकास कार्यों में 15 कार्यों का लगाया जा चुका है टेंडर ■ निर्माण कार्यों का निरंतर निरीक्षण कर अधिकारी करेंगे गुणवत्ता की निगरानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

एडीसी एवं जिला परिषद के कार्यकारी अधिकारी दीपक बाबूलाल करवा ने बताया कि जिला परिषद सदन द्वारा करीब तीन करोड़ की लागत के स्वीकृत किए गए विभिन्न 28 विकास कार्यों की प्रक्रिया प्रगति पर है।

करीबन एक करोड़ 60 लाख की लागत के 15 विकास कार्यों के टेंडर लगा दिए गए हैं। वहीं करीबन साढ़े 67 लाख के विकास कार्यों के टेंडर सप्ताहभर में लगा दिए जाएंगे। अन्य विकास कार्यों की विभिन्न औपचारिकताएं पूरी होने के साथ ही टेंडर जारी कर दिए जाएंगे। निर्माण कार्यों में प्रयोग होने वाली सामग्री की निगरानी की जाएगी, जिसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

तिगड़ाना में गली निर्माण पर खर्च होंगे 12 लाख

विकास कार्यों के बारे में जानकारी देते हुए एडीसी करवा ने बताया कि एक करोड़ 59 लाख 74 हजार रूपए के विभिन्न 15 विकास कार्यों के टेंडर जारी कर दिए गए हैं। इनमें गांव तिगड़ाना में 12 लाख रूपए की लागत से सतबीर भाना से नरेश के घर तक गली का निर्माण, गांव मुंढाल खुर्द में 10 लाख रूपए से रेलवे स्टेशन से विजयपाल के खेत तक रास्ते का निर्माण, गांव धनाना-प्रथम में 10 लाख से संत रविदास भवन में चारदीवारी का निर्माण, गांव रतेरा में 11 लाख रूपए से अंबेडकर भवन का निर्माण, गांव कुंगड़ में 20.76 लाख रूपए से रोहित सिहाग से सतीश के घर तक रास्ते का निर्माण शामिल है। गांव बड़सी जाटान में 10 लाख रुपये से बड़सी-ढ़ाणा रोड़ से धर्मपाल के घर तक रास्ते का निर्माण, गांव अलखपुरा में 11 लाख रुपये से सर्वजातीय चौपाल की चारदीवारी बनाई जा रही।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में विद्यार्थियों को पृथ्वी की रक्षा के लिए प्रेरित किया

भिवानी। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पालुवास में पृथ्वी दिवस बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस) मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने मिलकर विभिन्न गतिविधियों जैसे निबंध लेखन, भाषण, प्रश्नोत्तरी और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण को होने वाले खतरों के बारे में जागरूकता फैलाने के साथ-साथ सभी को पृथ्वी की रक्षा करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को इस वर्ष की पृथ्वी दिवस की थीम "हमारी शक्ति, हमारा ग्रह से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह थीम नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने तथा जीवाश्म ईंधन के स्थान पर टिकाऊ विकल्प अपनाने पर केंद्रित है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने प्राचार्य महोदय के साथ मिलकर पृथ्वी को स्वच्छ और सुरक्षित रखने तथा विद्यालय परिसर में लगे पौधों को प्रतिदिन जल देने की शपथ ग्रहण की।

भाषण, निबंध एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा

■ पृथ्वी दिवस पर आदर्श वरिष्ठ स्कूल में प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बौंद कलां में पृथ्वी दिवस बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर विद्यालय में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक रैली निकाली गई, जिसमें "धरती बचाओ-जीवन बचाओ" जैसे संदेशों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। इसके साथ ही भाषण, निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए पर्यावरण के महत्व को उजागर किया। विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश भी दिया गया। विद्यालय के प्रबंधक प्रताप सिंह यादव ने कहा कि पृथ्वी केवल हमारा निवास स्थान नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। हमें इसे स्वच्छ और सुरक्षित रखने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए, तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा।

चरखी दादरी। पृथ्वी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में रंगोली मनाते विद्यार्थी।

प्रकृति रक्षा का संकल्प लें

प्रधानाचार्य कृष्णदत्त ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत हमें अपने दैनिक जीवन से करनी चाहिए। जल की बचत, स्वच्छता और वृक्षारोपण जैसे छोटे कदम ही बड़े परिवर्तन लाते हैं। एनसीसी प्रभारी, द्वितीय अधिकारी कंवर सिंह यादव ने अपने विचार रखते हुए कहा कि अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ यदि प्रत्येक व्यक्ति प्रकृति की रक्षा का संकल्प ले, तो हम एक स्वच्छ, हरित और सशक्त भारत का निर्माण कर सकते हैं।

बच्चों ने रंग-बिरंगी चित्रकला व पोस्टर से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

चरखी दादरी। शंकर कॉलोनी स्थित फर्स्ट स्टेयर प्ले स्कूल में पृथ्वी दिवस बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से धरती मां के प्रति अपना प्रेम और सम्मान प्रकट किया। बच्चों ने रंग-बिरंगी चित्रकला, पोस्टर और संदेशों के जरिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। छोटे-छोटे बच्चों ने सरल शब्दों में यह संदेश दिया कि हमें अपनी धरती को स्वच्छ और सुरक्षित रखना चाहिए। विद्यालय के निदेशक बलराज फौगाट ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि पृथ्वी दिवस हमें अपनी धरती के महत्व को समझने और उसकी रक्षा करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि धरती हमारी मां है, जो हमें जीवन के लिए आवश्यक सभी संसाधन प्रदान करती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह धरती की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए रासायनिक खादों की बजाय जैविक खादों का उपयोग करे, अधिक से अधिक पेड़ लगाएं और प्लास्टिक के उपयोग से बचे।

बीआर शिक्षण संस्थान बिरही कलां में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया

विद्यार्थियों ने प्रभावशाली एवं प्रेरणादायक भाषण प्रस्तुत किए

पृथ्वी केवल ग्रह नहीं, बल्कि हमारा घर इस बचाने के लिए जागरूकता जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

बिरही कलां स्थित बीआर शिक्षण संस्थान में विश्व पृथ्वी दिवस बड़े उत्साह, जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न रचनात्मक एवं शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातःकालीन प्रार्थना सभा से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने विश्व पृथ्वी दिवस के महत्व पर प्रभावशाली एवं प्रेरणादायक भाषण प्रस्तुत किए। अपने विचारों के माध्यम से उन्होंने पृथ्वी को बचाने, जल एवं वायु प्रदूषण को रोकने, अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया। कक्षा पहली से 10वीं तक के विद्यार्थियों के लिए स्लोगन लेखन एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

छोटे-छोटे बदलाव लाएं

विद्यालय के चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि, "पृथ्वी केवल एक ग्रह नहीं, बल्कि हमारा घर है। यदि हम आज इसके संरक्षण के प्रति जागरूक नहीं होंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। हमें अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव लाकर पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए, जैसे प्लास्टिक का कम उपयोग, जल की बचत और अधिक से अधिक वृक्षारोपण।" विद्यालय प्रशासन एवं शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने तथा स्वच्छ और हरित वातावरण बनाए रखने का संकल्प दिलाया। इस प्रकार यह आयोजन न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि विद्यार्थियों के मन में प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ।

वृक्षों को काटना बंद करना होगा : फौगाट

चरखी दादरी। एचडी विद्यालय बिरोहड के प्रांगण में आज विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा परिषद के आदेशानुसार इको क्लब फोर मिस्सन लाइफ व विद्यार्थियों को लाइव प्रसारण दिखाया गया। विद्यार्थियों ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट के द्वारा घर में बेकार पड़ी हुई सामग्री से बेहतरीन घर की सजावट के सामान तथा अन्य उपयोग की चीजें बनाई। बच्चों द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी पर बढ़ते हुए नुकसान तथा बढ़ते हुए प्रदूषण जैसे मुद्दों पर चित्र व चार्ट बनाकर जागरूक किया। विद्यालय निदेशक बलराज फौगाट द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया गया कि हर वर्ष 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। आज पूरी दुनिया में सभी देश विश्व पृथ्वी दिवस मना रहे हैं। उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे पृथ्वी का तापमान बढ़ता है वैसे ही ग्लोबल वार्मिंग जैसी भयानक स्थिति उत्पन्न हो जाती है। हमें वृक्षों को काटना बंद करना होगा तथा जल बचाओ पृथ्वी बचाओ पेड़ लगाओ की मुहिम को तेज करना होगा। पॉलिथीन के उपयोग को नकारें, कागज का इस्तेमाल कम करें, और रिसाइकल प्रक्रिया को बढ़ावा दें।

झुप्पा कलां में त्रिवेणी लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

लोहारू। बुधवार को पृथ्वी दिवस के मौके पर गांव झुप्पा कलां में नेहरा परिवार द्वारा त्रिवेणी लगाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम ईश्वर सिंह श्योराण के सानिध्य में गांव की ग्रीन बेल्ट में त्रिवेणी तथा विभिन्न स्थानों पर फलदार और फूलदार पौधे भी लगाए गए। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधीक्षक दर्शनानंद नेहरा मुख्य रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रकृति ही हमारा जीवन है। पेड़ न केवल ऑक्सीजन देते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण भी सुनिश्चित करते हैं। पृथ्वी दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन प्रकृति की रक्षा करने का संकल्प लेने का दिन है। उन्होंने सभी ग्रामीणों से अपील की कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनकी देखभाल करें। इस अवसर पर उन्होंने भतीजे पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा के पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों का भी उल्लेख कर बताया कि लोकराम नेहरा अपनी इयूटी के साथ-साथ भिवानी, झुम्पा कलां और आसपास के क्षेत्र में समय-समय पर लगातार पौधारोपण करते रहते हैं। उन्होंने बताया कि त्रिवेणी रोपण भारतीय संस्कृति और पर्यावरण दोनों से जुड़ा हुआ है। पीपल 24 घंटे ऑक्सीजन देता है, बरगद छाया और दीर्घायु का प्रतीक है, जबकि नीम औषधीय गुणों से भरपूर है।

खबर संक्षेप

रीति-रिवाजों से महिलाओं की गोद भराई करवाई

भिवानी। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सुरक्षित मातृत्व और कुपोषण मुक्त बचपन के संकल्प को दोहराते हुए बुधवार को दुर्गा कॉलोनी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपायुक्त साहिल गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम ने ना केवल पारंपरिक रीति-रिवाजों का सम्मान किया, बल्कि आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी भी महिलाओं तक पहुंचाई। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक गीतों और रीति-रिवाजों के साथ गर्भवती महिलाओं की गोद भराई करके की गई।

धरती की रक्षा करना हमारा मौलिक कर्तव्य

भिवानी। धरती के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण का उपहार देने के संकल्प के साथ बुधवार को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर भिवानी में विशेष पौधारोपण अभियान चलाया गया। हमारा अपना फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम के तहत पालुवास और भीम स्टेडियम क्षेत्र में करीबन 100 पौधे रोपित किए गए। अभियान की शुरुआत पालुवास स्थित राजकीय कन्या मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला से हुई। यहां फाउंडेशन के संस्थापक और वर्धमान ज्वैलर्स के प्रबंध निदेशक सचिन जैन के नेतृत्व में पौधारोपण किया गया।

पीएम श्री विद्यालय में पृथ्वी दिवस मनाया

बवानी खेड़ा। वीर शहीद गुलाब सिंह जी, पीएमएस राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पृथ्वी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें स्कूल के अनेक बच्चों ने पोस्टर मेकिंग व भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। पोस्टर मेकिंग में काफी ने प्रथम स्थान, आरती ने द्वितीय स्थान व नेहा यादव विजेंद्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्पीच प्रतियोगिता में वैशाली ने प्रथम स्थान, कीर्ति ने द्वितीय स्थान व अंशिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कुरुक्षेत्र एनआईटी को लेकर राष्ट्रपति के नाम भेजा ज्ञापन

प्रत्येक कॉलेज और विवि में हो मनोचिकित्सकों की भर्ती: जगवीर

एनआईटी कुरुक्षेत्र में पिछले दो महीनों में चार से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने कर ली है आत्महत्या संस्थान प्रशासन ने इन्हें रोकने के लिए नहीं उठाया कोई ठोस कदम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। कुरुक्षेत्र एनआईटी को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

एनआईटी कुरुक्षेत्र में पिछले कुछ समय से छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्या की घटनाओं ने अब राजनीतिक और सामाजिक रूप ले लिया है। भारतीय विद्यार्थी मोर्चा ने इस गंभीर मुद्दे पर हस्तक्षेप करते हुए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन ने संस्थान में हो रही इन दुखद घटनाओं के लिए आंतरिक व्यवस्था की विफलता को जिम्मेदार ठहराया। इस मौके पर भारतीय विद्यार्थी मोर्चा के प्रदेश प्रभारी जगवीर दहिया बताया कि एनआईटी कुरुक्षेत्र में पिछले दो महीनों के भीतर चार से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने आत्महत्या की है। इसके अलावा कई अन्य छात्रों द्वारा आत्महत्या के प्रयास किए जाने की भी सूचना है। उन्होंने आरोप लगाया कि इतनी गंभीर घटनाओं के बावजूद संस्थान प्रशासन ने इन्हें रोकने के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं।

छात्र देश का भविष्य

उन्होंने आरोप लगाया कि एनआईटी कुरुक्षेत्र या कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पास छात्रों की समस्याओं को सुनने और उन्हें हल करने का कोई प्रभावी तंत्र मौजूद नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने हरियाणा के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में परीक्षा परिणामों में देरी, अंकों में विसंगति, भेदभाव और टिप्पणी, हॉस्टल की बदहाली, नशे का प्रसार आदि समस्याएं भी उठाई। उन्होंने मांग की कि प्रत्येक कॉलेज और विश्वविद्यालय में मनोचिकित्सकों की अनिवार्य भर्ती की जाए, ताकि छात्रों की समय-समय पर काउंसलिंग हो सके। परीक्षा परिणामों और पुनर्मूल्यांकन के लिए एक निश्चित समय सीमा तय हो। प्रैक्टिकल और इंटरनल अंकों में धांधली की विजिलेंस जांच करवाई जाए। हॉस्टल में भोजन की गुणवत्ता जांचने के लिए जिला उपायुक्त की अध्यक्षता में छात्रों की एक कमेटी बने। उन्होंने कहा है कि आज के छात्र देश का भविष्य हैं। अगर युवाओं में इस कदर निराशा होगी कि वे अपने जीवन को दांव पर लगा दें, तो स्वस्थ समाज का निर्माण संभव नहीं है। इस अवसर पर विनोद सांगा, अनिल नाथुवास, रमेश दहिया सहित अन्य मौजूद रहे।

भिवानी। मृत कुत्ते, बछड़े को लेकर धरने पर बैठे गौ सेवक।

अधिकारियों के खिलाफ की नारेबाजी

मृत कुत्ते व बछड़े को लेकर गोरक्षा दल ने दिया धरना

- एंबुलेंस सेवा के नाम पर की जा रही है मात्र खानापूर्ति, बेजुबान जीव बन रहे काल का ग्रास : संजय परमार

भिवानी। बेजुबान जीवों की सेवा के नाम पर करोड़ों का बजट खर्च करने वाली सरकारी डायल 1962 एंबुलेंस सेवा अब महज एक सफेद हाथी बनकर रह गई है। कर्मचारियों की कथित लापरवाही और ड्यूटी के प्रति उदासीनता के कारण भिवानी में बेजुबान जानवरों की मौत का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है। इसी के विरोध में गोरक्षा दल भिवानी ने मोर्चा खोलते हुए बुधवार को स्थानीय राजकीय वेटनरी पॉलीक्लीनिक के सामने धरना दिया तथा जमकर नारेबाजी की।

कर्मचारी नहीं पहुंचे

गोरक्षा दल भिवानी के प्रधान संजय परमार ने बताया कि एंबुलेंस कर्मचारियों की ड्यूटी दोपहर 12 बजे से शाम 8 बजे तक निर्धारित है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट है। हाल ही में बीमार जीवों के लिए 7 केस दर्ज करवाए गए थे, लेकिन बार-बार सूचना देने और गुहार लगाने के बावजूद कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचे। उचित इलाज न मिलने के कारण दो कुत्तों और बछड़े ने दम तोड़ दिया। संजय परमार ने कहा कि डायल 1962 सेवा को डॉक्टर और उनके स्टाफ की घोर लापरवाही ने इसे बेजुबानों के लिए अभिशाप बना दिया है।

बहल। विद्यालय में श्रमदान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बीआरसीएम ज्ञानकुंज में विशेष प्रार्थना सभा

छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किया

- विद्यार्थियों को विश्व पृथ्वी दिवस के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहल

बीआरसीएम ज्ञानकुंज विद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता एवं जागरूकता को बढ़ाना था।

बुधवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान मान्या शर्मा एवं नूपुर शर्मा द्वारा आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को विश्व पृथ्वी दिवस के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इसके साथ ही रिया व युक्त द्वारा संयुक्त रूप से रोचक प्रश्नोत्तरी (क्विज) का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खुशी द्वारा प्रस्तुत स्वरचित कविता ने कार्यक्रम को प्रभावशाली बना दिया। एनएसएस स्वयंसेविका मीनाक्षी ने पृथ्वी दिवस से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्यों को प्रस्तुत किया वहीं स्वयंसेवक अनुज शर्मा द्वारा प्रस्तुत प्रेरणादायक गीत ने सभी विद्यार्थियों को भावविभोर कर दिया।

स्कूल में लगाए पौधे

कार्यक्रम में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपनी रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने अपने पोस्टरों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और पृथ्वी को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में पौधारोपण अभियान चलाया गया तथा विद्यालय परिसर के बाहर प्लास्टिक कचरे का निस्तारण किया।

विश्व पृथ्वी दिवस पर विद्यार्थियों ने दिया प्राकृतिक खेती पर बल

- 101 विद्यार्थियों ने प्राकृतिक खेती पर व पृथ्वी संरक्षण पर बनाए पोस्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। प्रतियोगिता में उपस्थित बच्चे। फोटो : हरिभूमि

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर सामाजिक संस्था नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति एवं सदाचारी शिक्षा समिति द्वारा पृथ्वी संरक्षण साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पृथ्वी के महत्व और उसके संरक्षण में विज्ञान की भूमिका पर विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने बताया कि आधुनिक विज्ञान पृथ्वी को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग के लिए वैज्ञानिक तकनीकों का प्रयोग बेहद जरूरी है। वहीं शिक्षकों ने भी अपने संबोधन में पृथ्वी पर बढ़ते प्रदूषण और उसके दुष्प्रभावों पर चिंता व्यक्त की।

विवेकानंद हाई स्कूल की निदेशक सावित्री यादव ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी प्रकृति और संस्कृति से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में पृथ्वी को बचाने के लिए जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है।

बाबा मुंगीपा विद्यापीठ में मनाया पृथ्वी दिवस

तोशाम। गांव बुशान में स्थित बाबा मुंगीपा विद्यापीठ वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में पृथ्वी दिवस मनाया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया। जिसमें नर्सरी से कक्षा दूसरी तक के बच्चों ने येलो डे मनाया वहीं कक्षा तीसरी से आठवीं तक के बच्चों ने पोस्टर मेकिंग तथा कक्षा नौवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने अध्यापकों के साथ मिलकर स्कूल में पौधारोपण किया। इस दौरान विद्यार्थियों को घर पर पौधारोपण करने के लिए सैकड़ो पौधे वितरित किए गए। संस्था के मुखिया डॉक्टर नरेश जांगड़ा ने विद्यार्थियों को बढ़ते हुए प्रदूषण के प्रति जागरूक किया और पॉलीथिन व प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने के लिए कहा।

विद्यालय की अनुपयोगी जमीन को तैयार कर स्वयंसेवकों ने लगाए पौधे

- पृथ्वी दिवस पर किया विद्यालय परिसर में हर्बल पार्क निर्माण कार्य आरंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

तोशाम। स्कूल में श्रमदान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बुधवार को पृथ्वी दिवस के अवसर पर कस्बे के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने विद्यालय परिसर में कुछ अनुपयोगी जमीन को हर्बल पार्क में तब्दील करने का कार्य आरंभ किया।

इस दौरान विद्यालय प्राचार्य सुदेश कुमार यादव के निर्देशन में एनएसएस के स्वयंसेवकों और स्वयंसेविकाओं ने कार्यक्रम अधिकारी ज्योति रानी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन से इस जमीन पर पड़े हुए कचरे और अनुपयोगी बैंच को हटाकर जगह को साफ़ किया और पार्क की सीमा को आकर्षक बनाने के लिए क्यारियां बनाई, गेंदे के बीज और सदाबहार के पौधे लगाए गए।विद्यालय में पृथ्वी दिवस के महत्व को सभी विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए नारा लेखन और पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

उन्होंने बताया कि आने वाले सप्ताह में घर पर बनी गोबर खाद डालकर इस भूमि को उपजाऊ बनाने के बाद इस क्षेत्र में तुलसी, गिलोय, एलोवेरा आदि लगाए।

पृथ्वी जीवन का आधार और इसकी रक्षा करना हम सब का कर्तव्य : डॉ. करतार सिंह जाखड़

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में बच्चों के साथ शिक्षक।

भिवानी। वैश्य इंटरनेशनल स्कूल में पृथ्वी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना सभा के साथ की गई, जिसमें पर्यावरण संरक्षण से संबंधित संदेश साझा किया गया। इसके बाद छात्रों ने निबंध लेखन, चित्रकला, नारों और भाषण के माध्यम से सभी को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इस विषय पर 'धरती माँ को बचाओ', 'प्लास्टिक हटाओ - जीवन बचाओ' जैसे विषयों पर छात्र-छात्राओं द्वारा प्रेरणादायक प्रस्तुतियाँ दी गईं। प्रधानाचार्य डॉ. करतार सिंह जाखड़ जी ने कहा कि "पृथ्वी जीवन का आधार है और इसकी रक्षा करना हम सब का कर्तव्य है। हमें पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनना होगा और सतत विकास की दिशा में कदम बढ़ाने होंगे।" इस अवसर पर छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए।

विद्यालय में मेधावी छात्रों को पारितोषिक वितरण समारोह में किया सम्मानित

- कक्षा छठी के 57 प्रतिभाशाली छात्रों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत कर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। मेधावियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हलवासिया विद्या विहार में 2025-26 के मेधावी छात्रों के सम्मान में पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा छठी के कुल 57 प्रतिभाशाली छात्रों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

समारोह की शुरुआत विद्यालय प्रशासन एवं अभिभावकों के द्वारा मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्वलन व वंदना के साथ हुई। कक्षा छठी में कुल 183 बच्चों ने परीक्षा दी जिनमें तेजस्विनी, पूर्वी, धनिष्ठ, प्रियांशी, गर्वित, चौहान, अक्षित कुमार, सुरभि, पार्थ सिंह, नक्ष कौशिक, आराध्या, निशांत सिंह एवं मनस्वी नूर ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय प्रशासक डॉ शमशेर सिंह अहलावत द्वारा छात्रों की उपलब्धियों की सराहना की गई। प्राचार्य विमलेश आर्य ने कहा कि मेहनत, अनुशासन और लगन से ही सफलता प्राप्त होती है। इस अवसर पर आचार्या मीनाक्षी अग्रवाल, सुमन पूनिया आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलवाई

सेवा सहयोग संस्था ने महम रोड से शुरू किया 2600 पौधों का अभियान

भिवानी। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर महम रोड, चोखानी ई-स्टेट, गली नंबर 1 में नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था द्वारा एक अनूठे और प्रेरणादायक पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए एक नई सोच भी दी गई कि जीवन के हर विशेष अवसर को प्रकृति के साथ जोड़ा जाए।

- अपने खास दिन को यादगार बनाएं : संस्था लोगों को मुफ्त पौधे देकर जोड़ेगी

इस मौके पर संस्था के पर्यावरण रक्षक दिनेश सैनी, अमित सैनी और निखिल ने कहा कि आज के समय में बढ़ता प्रदूषण और घटती हरियाली मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। यदि अभी से ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह निरंतर चलने वाली जिम्मेदारी है, जिसमें पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल भी उतनी ही जरूरी है। संस्था की प्रधान उर्मिला सैनी के दिशा निर्देश पर इस वर्ष 2600 पौधे लगाने व इच्छुक लोगों को वितरित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

पर्यावरण की सुरक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी : योगेश शर्मा

बीके शिक्षण महाविद्यालय में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। बीके शिक्षण महाविद्यालय में पृथ्वी दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में उपस्थिजन।

बवानी खेड़ा के बीके शिक्षण महाविद्यालय में पृथ्वी दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना तथा पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी का भाव उत्पन्न करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता से हुई, जिसमें कलाकार हरिओम बाबा के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। "सेव अर्थ, सेव फ्यूचर", "गो ग्रीन", "जल ही जीवन है" और "ग्लोबल वार्मिंग" जैसे विषयों पर विद्यार्थियों ने आकर्षक एवं संदेशपूर्ण पोस्टर तैयार किए। प्रतियोगिता में छात्रों की रचनात्मकता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। निर्णायक मंडल द्वारा रचनात्मकता, प्रस्तुति एवं संदेश की प्रभावशीलता के आधार पर श्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन किया गया। महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया, जिसमें विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए।

छात्रों के प्रयासों को सराहा

इस अवसर पर सचिव योगेश शर्मा ने कहा कि पृथ्वी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पर्यावरण की सुरक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य एवं स्टाफ सदस्यों ने भी छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करते हैं।

माता-पिता और गुरुजनों का आदर करने की सीख दी

बहल। भारत विकास परिषद शाखा बहल द्वारा गुरु वंदन- छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अपने माता-पिता और गुरुजनों का आदर करने की सीख दी गई वही,अध्यापकों को विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ संस्कार देने के लिए कहा गया ताकि वे देश के श्रेष्ठ नागरिक बन सके।

ज्ञान भारती स्कूल में आयोजित कार्यक्रम का आरंभ वंदे मातरम गायन से हुआ। परिषद के उपाध्यक्ष प्राचार्य कृष्ण कुमार यादव ने भारत विकास परिषद के विकास, उद्देश्य और प्रगति के बारे में बताया। उन्होंने जनहित में लगाए गए दिव्यांग शिविर, रक्तदान शिविर, पौधारोपण आदि कार्यक्रमों की जानकारी दी।